







# माध्यमिक शिक्षा बोर्ड, राजस्थान, अजमेर

उत्तर माध्यमिक परीक्षा

(परीक्षार्थी द्वारा स्वयं भरा जाना चाहिये)



प्रश्नवार प्राप्तांको की सारणी  
(परीक्षक के उपयोग हेतु)

| प्रश्नों की क्रम संख्या | प्राप्तांक | प्रश्नों की क्रम संख्या             | प्राप्तांक |
|-------------------------|------------|-------------------------------------|------------|
| 1                       | 15         | 19                                  | 3          |
| 2                       | 7          | 20                                  | 4          |
| 3                       | 10         | 21                                  | 4          |
| 4                       | 2          | 22                                  | 4          |
| 5                       | 2          | 23                                  |            |
| 6                       | 2          | 24                                  |            |
| 7                       | 2          | 25                                  |            |
| 8                       | 2          | 26                                  |            |
| 9                       | 2          | 27                                  |            |
| 10                      | 2          | 28                                  |            |
| 11                      | 2          | 29                                  |            |
| 12                      | 2          | 30                                  |            |
| 13                      | 2          | 31                                  |            |
| 14                      | 2          | योग                                 | 80         |
| 15                      | 2          | प्राप्त अंको का कुल योग (Round off) |            |
| 16                      | 3          | अंकों में                           | शब्दों में |
| 17                      | 3          | 80                                  | अठ्ठासी    |
| 18                      | 3          |                                     |            |

नोट :- परीक्षार्थी उपरोक्त के अतिरिक्त उत्तर पुस्तिका के अन्य किसी भी भाग में अपना नामांक नहीं लिखें।

माध्यम - हिन्दी ☒ अंग्रेजी ☐

विषय उर्दू साहित्य

परीक्षा का दिन शुक्रवार

दिनांक 1/4/2024

नोट :- परीक्षार्थी के लिए आवश्यक निर्देश इस पृष्ठ के पिछले भाग पर उल्लेखित हैं। जिन्हें सावधानी पूर्वक पढ़ लें व पालना अवश्य करें।

**परीक्षक हेतु निर्देश :-** (1) परीक्षक को उपरोक्त सारणी अनुसार प्राप्तांक भरना अनिवार्य है, अन्यथा नियमानुसार दंडित किया जायेगा।  
(2) परीक्षक उत्तर पुस्तिका के अन्दर के पृष्ठों के बायीं ओर निर्धारित कॉलम में लाल इंक से अंक प्रदत्त करें।  
(3) कुल योग भिन्न में प्राप्त होने पर उसे पूर्णांक में ही परिवर्तित कर अंकित करें (उदाहरणार्थ : 15¼ को 16, 17½ को 18, 19¾ को 20)

परीक्षक के हस्ताक्षर.....

संकेतांक

34518

प्रमाणित किया जाता है कि इस उत्तर पुस्तिका के निर्माण में बोर्ड द्वारा प्रदत्त 58 जी.एस.एम. ईको मैपलिथो कागज ही उपयोग में लिया गया है। 177/2024



### परीक्षार्थियों के लिए आवश्यक निर्देश

1. समस्त प्रश्नों को हल निर्धारित शब्द सीमा में इसी उत्तर पुस्तिका में करना है। विशेष परिस्थिति में अतिरिक्त उत्तर पुस्तिका, उत्तर पुस्तिका भरी हुई होने पर पर्यवेक्षक एवं वीक्षक की अनुशंसा पर ही उपलब्ध कराई जायेगी।
2. प्रश्न-पत्र पर निर्धारित स्थान पर अपना नामांक लिखें।
3. प्रश्न-पत्र हल करने के पश्चात् जिस पृष्ठ पर हल समाप्त होता है, उस पर अन्त में "समाप्त" लिखकर अन्त के सभी रिक्त पृष्ठों को तिरछी लाईन से काटें।
4. निम्न बातों का विशेष ध्यान रखें अन्यथा अनुचित साधनों की रोकथाम अधिनियम के तहत कार्यवाही की जा सकेगी :-
  - (i) उत्तर पुस्तिका के ऊपर/अन्दर तथा प्रश्नोत्तर के किसी भी भाग में चाहीं गई सूचना के अलावा अपना नामांक, नाम, पता, फोन नम्बर अथवा पहचान की कोई अन्य प्रकार की सूचना आदि अंकित नहीं करें अन्यथा "अनुचित साधनों के प्रयोग" के अन्तर्गत कार्यवाही की जावेगी।
  - (ii) उत्तर पुस्तिका के पृष्ठों को फाड़ें नहीं। उत्तर-पुस्तिका के मुख पृष्ठ पर अंकित संख्या के अनुसार पृष्ठ पूरे होने चाहिये। परीक्षार्थी उत्तरपुस्तिका प्राप्त करते ही पृष्ठ संख्या की जांच कर लें यदि पृष्ठ कम/अधिक या क्रम में नहीं हैं तो वीक्षक से तुरन्त बदलवा लें।
  - (iii) परीक्षा केन्द्रों पर पुस्तक, लेख, कागज, कैलक्यूलेटर, मोबाईल, पेजर आदि किसी भी प्रकार का इलेक्ट्रॉनिक उपकरण तथा किसी भी प्रकार का हथियार आदि ले जाना निषेध हैं।
  - (iv) वस्त्र, स्केल, ज्यामेट्री बॉक्स पर कुछ भी न लिखकर लावें। टेबल के आस-पास कोई अनुचित सामग्री नहीं होनी चाहिये, इसकी जांच कर लें।
  - (v) अपनी उत्तर पुस्तिका/ग्राफ/मानचित्र आदि परीक्षा भवन से बाहर ले जाना दण्डनीय अपराध है, अतः परीक्षा समाप्ति पर उत्तर पुस्तिका वीक्षक को बिना सौंपे परीक्षा कक्ष नहीं छोड़ें। उत्तरों को क्रमानुसार एक ही स्थान पर लिखें। प्रश्न क्रमांक भी सही अंकित करें, अन्यथा दण्ड स्वरूप परीक्षक को 1 अंक कम करने का अधिकार है। बीच में उत्तर पुस्तिका के पृष्ठ रिक्त न छोड़ें। गणित विषय के लिए रफ कार्य उत्तर पुस्तिका के अंतिम पृष्ठों पर करें तथा तिरछी रेखा जहाँ तक हो सके प्रश्न के सभी भाग के उत्तर, उत्तर पुस्तिका में एक ही स्थान पर अंकित करें। भाषा विषयों को छोड़कर शेष सभी विषयों के प्रश्न-पत्र हिन्दी-अंग्रेजी दोनों भाषा में मुद्रित हैं। किसी भी प्रकार की त्रुटि/अन्तर/विरोधाभास होने पर हिन्दी भाषा के प्रश्न को ही सही माना जाये।





1

परीक्षक द्वारा  
प्रदत्त अंक

प्रश्न  
संख्या

परीक्षार्थी उत्तर

BSER-177/2024





परीक्षक द्वारा  
प्रदत्त अंक

प्रश्न  
संख्या

परीक्षार्थी उत्तर

BSEB-177/2024





3

| परीक्षक द्वारा<br>प्रदत्त अंक | प्रश्न<br>संख्या | परीक्षार्थी उत्तर |
|-------------------------------|------------------|-------------------|
|-------------------------------|------------------|-------------------|

BSER-177/2024



परीक्षक द्वारा  
प्रदत्त अंकप्रश्न  
संख्या

परीक्षार्थी उत्तर

BSER-177/2024





5

परीक्षक द्वारा  
प्रदत्त अंक

प्रश्न  
संख्या

परीक्षार्थी उत्तर

BSER-177/2024



परीक्षक द्वारा  
प्रदत्त अंकप्रश्न  
संख्या

परीक्षार्थी उत्तर

BSER-177/2024





7

परीक्षक द्वारा  
प्रदत्त अंक

प्रश्न  
संख्या

परीक्षार्थी उत्तर

BSER-177/2024





परीक्षक द्वारा  
प्रदत्त अंक

प्रश्न  
संख्या

परीक्षार्थी उत्तर

BSER-17/2024



परीक्षक द्वारा  
प्रदत्त अंकप्रश्न  
संख्या

परीक्षार्थी

परीक्षार्थी उत्तर

BSER-177/2024





| परीक्षक द्वारा<br>प्रदत्त अंक | प्रश्न<br>संख्या |
|-------------------------------|------------------|
|-------------------------------|------------------|

परीक्षार्थी उत्तर

BSER-177/2024



परीक्षक द्वारा  
प्रदत्त अंकप्रश्न  
संख्या

परीक्षार्थी उत्तर

BSER-177/2024





परीक्षक द्वारा  
प्रदत्त अंक

प्रश्न  
संख्या

परीक्षार्थी उत्तर

BSER-177/2024







परीक्षक द्वारा  
प्रदत्त अंकप्रश्न  
संख्या

परीक्षार्थी उत्तर

BSER-177/2024





جا رہہ ہے۔

\* ماحول کی آلودگی سے بھارت :-

آج ساتھوں نے بڑی ترقی کئی ہے اور بہت  
سے ایجادات کئے گئے ہیں جس سے آلودگی کو ختم  
کیا گیا ہے اور نقصان بھی اس سے اٹھ گیا ہے  
ہر ایک کو اپنے اپنے گھر کے پیروں کو کھانے کا  
جانتے ہیں پیر پڑھتے لگاتے، کارخانے کھولتے  
اور کھیتیں کرتے اور دور دور پر گھومنے والے  
گھروں کے صاف صفائی کا پور دھیان رکھتے۔

اسکولوں اور گھروں میں زیادہ سے زیادہ پیر  
پڑھتے لگاتے اور دوستوں کو بھی لگاتے ہیں  
کو کھانے اور کھیتیں لگاتے اور زندگی کو  
بھلائے اور ماحول کو خراب نہ ہونے سے بھلائے

ختم کام





لکڑیوں کا کاٹنا ہے، جنگلوں کا صاف کرنا  
 ہے اور کوڑے کرکٹ کی وجہ سے  
 ماحول خراب ہو رہا ہے، لکڑی بڑے پیمانے  
 پر اور چاروں طرف بیماریاں جنم لے  
 رہی ہیں۔ ملک کی آبادی بڑھ رہی ہے۔  
 لوگوں میں بڑھوتری ہو رہی ہے۔ بیڑیوں  
 کا ٹھکانہ ہے اور حکام کا رخاٹہ، جنگلی  
 جانوروں کے دھوئے کھانے  
 ہیں۔ خراب ہو رہا ہے جس سے  
 وحش سے پیدا خراب ہو رہا ہے جس سے  
 بہت سی بیماریاں جنم لے رہی ہیں اور  
 لوگوں سے نقصان دار بن رہی ہیں۔  
 لوگوں کی صحت کا سامنا کر رہے ہیں۔  
 لوگ مر رہے ہیں اور ماحول بے آلودگی  
 ہو رہی ہے جس سے وحش  
 بڑھتی جا رہی ہے۔ سامنا کرنا پڑ رہا ہے  
 سب کو کوئی پتہ نہیں چلتا کہ  
 اگر ایسا نہ ہوتا تو جلد ہی ہمارا  
 سماج بہت بڑے پیمانے پر نقصان  
 کا شکار ہو جاتا۔ ماحول بے آلودگی  
 نہ ہو سکتا ہے۔ ملک کے نقصان  
 پہنچ رہی ہیں۔ ذرا بعد بڑھ سکتی ہے۔  
 کا اور خطرہ ہے کہ اگر یہ سب  
 لوگ بہت سی بیماریاں پکڑ سکیں  
 ہیں اور آبادی میں کمزوری آ سکتی  
 ہے اور بڑے بڑے کارخانے، مشینوں  
 سے بڑے بڑے دھوئے کھانے اور  
 وحش سے خراب دھوئے کھانے اور  
 لکڑیوں سے جاننے سے ماحول بگڑتا جا رہا  
 ہے۔ جنگلی تیزی سے کاٹتے جا  
 رہے ہیں اور ماحول میں آلودگی بڑھتی

(کے بیچ پر)





انھوں نے دسویں تک کی تعلیم گوالیار وکٹوریہ  
ہائی اسکول سے حاصل کی۔ انھیں اپنے کمرے  
کے بعد گوالیار کالج میں لبرل سائنس کے فیلڈ  
میں فائز ہوئے۔ یہ خدیجہ دور کے غزل گو  
شعرا میں شمار کئے جاتے ہیں۔ ۱۹۶۶ء میں انھوں  
کا انتقال ممبئی میں ہوا۔

\* ان کے شعری مجموعے: سلاسل شاعر گریبان، چاندان  
گھر آنگر، بچھلے پیر، تذکرہ بیان و فتنہ  
میں ہیں۔ ان کی غزلیں سادہ اور چھپڑی ہیں۔

تقسیم ہند سے پہلے بھوپال جیل کے واپس قلعوں کے  
میں گئے تھے اور پھر ممبئی جیل  
گئے اور اپنی پوری زندگی ممبئی میں گزاری۔

### ماحول کی آلودگی

جواب

مسائلوں نے پھر بہت سے ملاحیتوں سے نوازا  
ہے اس سے زائد شے شے ایجادات سہرت سے  
جس سے پھر بہت سے فائدے بھی حاصل ہوئے  
نہ ماحول کی آلودگی پھر پیڑوں کی کاٹ مار، کارخانے  
سے دھوئیں، پائپوں کا زیادہ بہاؤں، بوڑھے گھر  
کا سرکوں پر پھیلنا، پتوں سے ماحول خراب  
ہو جاتا ہے، پتے گھرنے پتے ایجاد ہو جاتا ہے  
دھیرے دھیرے گاڑیاں، کارخانے اور بھی بہت  
سے ایسے چیزیں ہیں جن سے ماحول خراب  
ہو رہا ہے۔ انسان اپنے فائدے کے لیے



پریکھک دھارآ  
پردتت اءکپرسن  
سءخآا

پریکھآرثی اءتار

ہو کنا اس طرے زندگی پر لسانیوں اور بکوں  
میں نرے۔ اسے دوسوں پر مرزا بیت (رج  
سے تھے۔ ست سے خندہ رتہ سے ملتے تھے  
کوڑے ہوں ساکن دروازے سے خاوی ہوں  
جاسا تھا۔ انھوں نے شہر نگاروں کا آغاز  
فارسی سے کیا۔ البتہ میں ان سے چار سہا  
ملتے۔

ان کے تیرے کتابیں: پنج آہنگ، میر نیروز  
اور دستبہ قابل ذکر ہے۔ ان کا سب سے  
بڑا کارنامہ خطوط ہے۔ ان کے خطوط میں  
اپنے زندگی کے علاوہ اپنے آسے پاس کے مسائل  
و حالات اور سخاچی دور کا نقشہ نظر آتا ہے۔  
خاص طور پر ان کے خطوط 1857 کے ماحول  
سے متعلق ہیں۔ ان کے وفات 18 فروری  
1869ء میں بروز پیر کے دن ہوئے۔

ان کے خطوط کے دو مجموعے: عود مہندی اور  
اردو سے معلوم معل ہے انھوں نے مراٹے کا  
مقابلہ بنانا یا جبر کی وجہ سے ان کو بیت  
شہر سے ملے۔

جان نثار اختر کی سوانح حیات

جواب

سید جان نثار حسین رضوی نام اور اختر تخلص  
تھا۔ 1914ء میں گدالہار میں پیدا ہوئے  
آپ کے والد نے خیر آباد (اثر پردیس) تھا ان کے  
والد مضطر خیر آباد میں مشہور شاعر تھے۔

الکلی صفحہ 18





یہی سہل ہے  
کھ زبَن غلطیوں اور لغزشوں سے بہت بچنا  
حاصل کر اور سہل سے اس سے جو نثر یہ ہوتا ہے  
اس سے اس کے علم اور حکمت میں اضافہ  
ہوتا ہے اور اس کے روشن میں آگے بڑھتا ہے اور  
اپنی منزل حاصل کرتا ہے۔ جبر و قدر انسان  
کی لغزشیں اس کے لیے وکالت ہے۔ ارتقاء  
مراحل کے کرتے ہوئے انسان کو نیکی اور بدی  
کا وٹو سامنے آتی ہے لیکن انسان ان کا سامنے  
سامنے کر کے اسے ارتقاء مراحل کے سر پر  
ہے۔ انسان اپنی تقدیر خود بناتا ہے اور  
وہ اچھے برے کام کرتا ہے تو اس کی تقدیر  
بھی ویسی ہی ہو جاتی ہے اگر اچھے کام کرتا  
ہے تو وہ اس نے اپنے لیے نیکیت سے حصہ  
نہر بادشاہت حاصل کرنے اور اگر برے کام  
کرتا ہے تو اس نے اپنی زندگی برباد کر دی  
عقل مند انسان اپنی غلطیوں سے بہت بچ کر حاصل  
کرتا ہے اور وہ اپنی منزل حاصل کرتا ہے۔

حصہ (ز)

جواب (80) مرزا غالب :-

مرزا غالب (1877ء) 1797ء کو آگرہ میں پیدا  
ہوئے۔ ان کے والد عبداللہ بیگ تھے۔  
مرزا غالب کا نام عبداللہ عرفیت مرزا نور محمد تھا۔  
مرزا غالب نے عمر میں والد عبداللہ بیگ کا انتقال  
ہو گیا بعد میں بیرونی حاکم عبداللہ بیگ نے  
کے لیے 9 سال کی عمر میں ان کا انتقال





آن سے دل خوشی کے عالم میں بیوگا جسے ہم  
بیان میں کر پاتے تھے۔

### نظم "الرقا" کا خلاصہ

(۱۶)  
جواب

3

نظم "الرقا" میں شاعر جمیل مظہر نے اس  
میں یہ بیان کیا ہے کہ انسان اس کائنات  
کا میں مرکزی حیثیت رکھتا ہے اس کو  
اپنی زندگی میں دیکھنا چاہیے اور  
فصل دنیا سے سلسلہ کو آگے بڑھاتے رہتا  
جائے۔ زندگی میں ایک مسلسل امکان کا  
خاتم ہے۔ یہ جمیل مظہر نے علامہ اقبال  
کی نظم "رقعہ ارضیہ" آرم کا استقبال کرتے  
ہے۔ شاعر نے بیو کر لکھی ہے اس میں  
اقبال نے آرم علیہ السلام کو خود کو  
جانتے کا ذکر کیا ہے جبکہ "الرقا" نظم  
میں شاعر نے انسان کو زندگی میں دیکھنا  
کو سمجھ کر محنت کرنے کو کہا ہے۔  
نظم میں شاعر نے کہا ہے کہ انسان خود اپنے  
تعلو سے کہلاتا ہے نہ خدا نے اسے اچھا  
کام کرنے والا بنا کر خود اپنی حثیت میں  
والا بنانا ہے جبکہ انسان کا محتاج ہونا  
اور اختیار ہونا صرف خدا کے ہاتھ میں  
ہے یا نہ ضرور ہے کہ خدا نے اس کا خود  
خود میں خود مختار بنایا ہے۔ انسان کے





\*

اشعار کی تشریح :-  
 غزل کے اس شعر میں الطاف حسین  
 حالی محبوب سے مخاطب ہو کر فرما رہے ہیں کہ  
 ہم سے بہ رنجی میں بھی آپ کو سہم سے الفت  
 ہے یہ سہم آپ کے انداز سے سہجائے ہے اس  
 سے آپ کو الفت کا بیان چلتا ہے اس  
 سے اب آپ خوب الٹی سیدھی (بگاڑی)  
 بات کہنا شروع ہیں کہ وہ فرقہ نہیں پڑتا  
 ہم برا نہیں مانتے کیونکہ یہ سہم آپ کا  
 انداز ہے اور اس سے آپ کو الفت کا پتہ  
 چلتا ہے۔

(ii)

کیا فرقہ کا حوالہ :-

مندرجہ ذیل اشعار  
 گلستان ادب میں شامل 'زندگی' تو بھر حال  
 کو بس بھونکے غزل سے ماخوذ ہے جس کے  
 شاعر معین احسن جونی ہے۔ اس میں  
 شاعر نے دل کی عجیب کیفیت بیان کی ہے۔

\*

اشعار کی تشریح :-

اس اشعار میں جونی نے  
 فرمایا ہے کہ اگر محبوب ہمارا حال یہ دیکھ  
 آئے کہ ہم اتنی غم و اندوہ کیوں نہ تو  
 ہم اس وقت اسے درد کو بیان نہیں کر  
 پاتے۔ اس وقت ہمارے دل کی عجیب  
 کیفیت ہو گئی جس پر لفظوں میں اس وقت  
 بیان نہیں کر سکتے اس کا اندازہ دیکھ  
 کر ہی لکایا جا سکتا ہے۔ کیونکہ محبوب کے





پریکٹک دھار  
پردت اک

پرسن  
سرخا

پریکٹارثی ٲتار

\* کچھ عرصے بعد وہ عورت واپس آئی تو وہ  
اس نے دروازہ کھولا تو وہ فوٹوں سے  
گر گئی اور اس پر ایک لوکر وچ پڑا۔  
وہ عورت جب واپس جانے لگی تو  
اس نے فوٹو گرافر سے کہا کہ کئی مردوں  
کے بعد میں بار دروازہ کھولنے صفائی کی۔  
فوٹو گرافر اسے پہچان گیا اور بوجھا  
کے آپ کے ساتھ کیا ہے وہ تو اتنے  
عورت نے کیا کہ وہ اسے گھسان میں  
کئی کھو گئے ہیں یہ کہہ کر وہ عورت چلی  
گئی۔

\* نفس مضمون:  
مصنف نے بیان کیا ہے کہ  
پچیسٹہ زمین والے زندگی ایک روز فنا  
ہو جائے گی زندگی سنیں ہیں اچھی بنو اس  
پر پچیسٹہ خالص کا سلسلہ منڈلا رہا  
نہ کیونکہ موت ہر حق ہے اور زندگی  
میں بلند و اور پست کا سلسلہ لگا  
رہتا ہے۔

(18) سیاق و سباق کا حوالہ :-  
جواب  
یہ عبارت بھاری  
و کتاب گلستان ادب کے سبق "اب بھالتے  
سارے عشق بھان سے ہم سے ماخوذ ہے۔ یہ اشعار  
عزیز کی صفت ہے اسے "الطاف حسین حالی  
نے لکھا ہے۔ اس میں شاعر محبوب سے مخاطب ہے۔

اگلے پیج پر





جواب (۱۷)

فوٹو گرافر سب سے کا خلاصہ

اس سب سے میں قرۃ العین حیدر مصنفہ نے یہ  
 سب سے دیا ہے کہ گھنٹہ گزاری کے گینٹ پائرس  
 میں بہت سے لوگ آتے تھے وہ قصہ لڑتے  
 علاقہ میں نہیں بٹا ہونے کے وہ وحشت یہاں  
 مساجد کو لوگ نہ آتے تھے یہاں تک کہ  
 باہر شہر کے کمرے پر ایک فوٹو گرافر بیٹھا  
 رہتا اور وہاں آتے واپس لوگ فوٹو لکھتا تھا  
 شاید وہ اس قصہ کا باشندہ تھا اس کے تو  
 کان نہیں تھے وہ بہتوں سے یہاں سے وہ  
 اپنے قصہ کی جھل اور پیارے کو چھوڑ کر  
 کہتے اور جاتا نہیں جاتا وہاں لوگ بھی مومن  
 منانے سے فخر کرتے تھے انکوں و محبت کی  
 تلاش میں آتے تھے تاکہ سچ وقت سچ کو  
 پہلے سے دور المصنفان سے گزار سکیں۔  
 ایک بار وہ ایک رقص اور ایک موسیقار  
 آتے فوٹو گرافر نے جب ان کے فوٹو لکھنے  
 چاہے تو وہ اس نے نہ کیا کہ وقت  
 بٹو گیا ہے لڑتے ہو جاتے تو فوٹو گرافر نے  
 کہا کہ باہر گھنٹہ گزاری کا رہا ہے اس کے  
 مادی نے اس سے پانچ میں گھنٹہ گزاری دیا اور  
 وہ دونوں امر سب سے پانچ سے عین کے  
 اسے حاکم بھٹو کے عرواۃ اور حلہ شہر شام  
 کو واپس آتے تو فوٹو لکھنے ان سے دے گئی  
 جسے تیری دراز میں رکھ دیا اور صبح وہ  
 خدو سے نکل گئے فوٹو لکھنے بھول گئے۔



3SER-4770024

لغیر مصنفوں:  $\underline{\underline{x}}$  اس افسانے میں مصنف نے  
 بتایا ہے کہ ہمیں لغیر میں فرقہ پرستی اور  
 فتنے کے ایک دور سے کی مصیبت کے  
 وقت ساقی رہتا جا رہا ہے اور انسانیت کا  
 تقاضہ یہ ہے کہ اگر کوئی مصنف  
 میں مبتلا ہو تو اسے مار کرے۔





(13)

جواب

نرمل ورمان کے دو افسانوی مجموعے :-

(۲) دنیا کو بارش، وند

(14)

جواب

مختصر افسانہ ایک ایسے نثری کہانی ہے جو ایک  
 بڑے نثری (نفس) میں بڑھتی جا سکتی ہے یہ  
 ہمیں جوڑو کہانی نہیں ہے بلکہ ایک ایسے  
 فن تخلیق ہے جس میں فن کار اپنے ارادے اور  
 حکمت کا بھروسہ کرتا ہے۔

(15)

جواب

غزل کے پہلے شعر کو مطلع کہتے ہیں جس کے دونوں  
 مصرعے ہم قافیہ ہوتے ہیں اگر غزل کا دوسرا  
 شعر بھی مطلع ہو تو اسے زب مطلع، حسن  
 مطلع یا مطلع تازی کہتے ہیں۔

حصہ (ج)

(16)

جواب

سیاق و سباق

مصنف کا حوالہ :-

یہ اقتباس ہمارے کتاب  
 "کلیستان ادب" کے "سبق" سے لیا گیا ہے  
 "لہذا" ایک مختصر افسانہ کی صفت ہے اس  
 "بلوغت" سنگھ نے لکھا ہے۔ اس میں مصنف  
 نے بتایا ہے کہ انسان کو بغیر اپنے فائدے  
 کے دوسروں کو مدد کرنے چاہیے یہ امانت  
 کو سنبھالنے اور عورت کی کلمہ پڑھنے احساس  
 پر مبنی ہے۔

اگلے صفحہ پر





| پریکاشک دواړا<br>پړدات اټک | پړشن<br>سانځيا | پريکاشاړثي اټار |                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                    |
|----------------------------|----------------|-----------------|------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------|
| 2                          |                | جواب 2          | خواجا حسا انظامي 1878 ۽ ميں ډيلي ميں<br>پيدا يوت -                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                 |
| 2                          |                | جواب 8          | دو جھوٹے (1) جہان آرزو (2) سريلو بالشروپ -                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                         |
| 2                          |                | جواب 9          | زندگي ۽ تو بهر حال سريلو يوگي سے متاثر كي<br>میرا ديد ۽ کم اگر ہم زندہ ۽ تو ہمیں کلا<br>سکھ، خوشي، غم سے ہم سے وابستہ يونا يوگا<br>ان سے ساتھ زندگي ميں زندگي طرح سرگنرا<br>جائزہ ۽ - زندگي خوشي کھور کر گنرا<br>جائزہ ميں کيوت نہ زندگي کو تدرج حالت<br>ميں گنرا ۽ -                                                                                                              |
| 2                          |                | جواب 10         | منہ اندھيرے کے معنی ۽ - علی الصبح (صبح سویرے) -<br>صبح کے وقت -                                                                                                                                                                                                                                                                                                                    |
| 2                          |                | جواب 11         | ۱۸۱۱ء قباال ۱۸۱۱ء ميں ۽ پنجاب کے مشہور<br>شہر سيالکوٹ ميں پيدا يوت -                                                                                                                                                                                                                                                                                                               |
| 2                          |                | سوال 12         | مصنف ویکوم محمد بشير نے رات کو جب ميٹھيوں<br>کھر پر شير ٿيا تو نو تر کھانا بکالريان پر لکھ<br>تويہ دروازہ کھول کر کيوت ميں داخل ٿيو<br>ٿيا اور دروازہ کھولا چھوڑ ديا<br>اس سے بلکے تو کيوت واپس آتے انھيں نے<br>کھانا کھا کر واپس سے لکھ گئے - اس طرح انھيں<br>نے اپنے جھم ڏن پريلو چور واکر کے<br>اينا پيٺک ٿيا - مصنف نے ميٹھيوں کي رسوي<br>ميں (ماؤ جي) خاندان ميں خانا کھايا - |





| پریکھک دھار<br>پردت اَنک | پرسن<br>سَنکھیا | پریکھارثی اُتار                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                             |                                                                                       |
|--------------------------|-----------------|---------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------|---------------------------------------------------------------------------------------|
| (10)                     |                 | سَنکار حیدر یلدرم والدر کا نام تھا۔<br>ایک لکھو روپے میں۔ ایک ہزار روپے<br>پناب کے امرتسر میں<br>رات کا پہلا حصہ (پہر) اول شب کے معنی ہے۔<br>منزل نہ ملنے پر قافلوں نے رستے میں ڈیرے<br>جما دیے۔<br>اقبال کی شاعری کا مجموعہ ہے۔ - سائبانہ دریا<br>رقہ کی بیماری۔<br>بوڑھے چھوڑنے کی جگہ پر مصنف نے مل ویرما لکھا۔<br>مکتوب نگاری کا مخاطب کوئی ایک شخص<br>ہوتا ہے۔<br>عربی زبان کا لفظ ہے۔ | جواب<br>(i)<br>(ii)<br>(iii)<br>(iv)<br>(v)<br>(vi)<br>(vii)<br>(viii)<br>(ix)<br>(x) |

### حصہ (ب)

|     |  |                                                                                                                                       |             |
|-----|--|---------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------|-------------|
| (9) |  | خوجی سے پہارو ملاقات نواب صاحب کے<br>بیان ہوئی ہے جب نواب صاحب کے دفتر<br>صنف عظمیٰ شاہ صاحب کی کمپنی پہنچا<br>تو لوگ حال پوچھنے آئے۔ | جواب<br>(1) |
| (9) |  | ملک ہوا کے بادشاہ نے یہ وصیت کی کہ میری<br>دوازیں کھول لیجا مگر اسے شرف پر لگا<br>خروجہ خاتمہ مت کھولنا۔                              | جواب<br>(2) |
| (9) |  | سجاد ظہیر نے جیل میں رہتے ہوئے جو خط<br>اپنی بیوی رقیہ سجاد کے نام کو لکھا ہے اس میں<br>نقوش زندہ کے نام سے شائع ہوئے۔                | جواب<br>(3) |





| پریکٹک دھارہ<br>پردتہ اَنک | پرسن<br>سَنکھیا | پریکٹارثی اُتار                |        |
|----------------------------|-----------------|--------------------------------|--------|
|                            |                 | حَمَد (الف)                    |        |
|                            |                 |                                | جواب   |
|                            |                 | (B) ویراٹ                      | (i)    |
|                            |                 | (C) سلطان                      | (ii)   |
|                            |                 | (A) امامت                      | (iii)  |
|                            |                 | (D) طلسم خیال                  | (iv)   |
|                            |                 | (A) پاکستان                    | (v)    |
|                            |                 | (C) اَحد جمال پاشا             | (vi)   |
|                            |                 | (B) حالی                       | (vii)  |
|                            |                 | (A) مہینہ احسن عَزیزی          | (viii) |
|                            |                 | (D) غزل                        | (ix)   |
|                            |                 | (B) اہلِ کلام                  | (x)    |
|                            |                 | (D) 1904                       | (xi)   |
|                            |                 | (C) 1904                       | (xii)  |
|                            |                 | (D) اوسے                       | (xiii) |
|                            |                 | (A) ویلکم محمد بشیر            | (xiv)  |
|                            |                 | (B) ہندو                       | (xv)   |
|                            |                 |                                | جواب   |
|                            |                 | قلموں                          | (i)    |
|                            |                 | پہنڈہ (پہنڈہ)                  | (ii)   |
|                            |                 | الم آزار میں 1929ء             | (iii)  |
|                            |                 | کلام میں                       | (iv)   |
|                            |                 | مہ خانہ                        | (v)    |
|                            |                 | جنازہ (مرحوم) کا کلام شہادت کا | (vi)   |
|                            |                 | عمارتی ٹکڑے                    | (vii)  |

$$15 \times 1 = 15$$

15

BSER-177/2024

7



[illegible]







